हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

तापमान

अधिकतम 42.0 डिग्री

न्यूनतम 21.0 डिग्री

10 नामांकन पर ताकत दिखाएगी कांग्रेस...

10 जीवन में उत्थान के लिए शिक्षा की भूमिका...

खबर संक्षेप

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद दर्ज किए गए मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रोहड़ाई थाना पुलिस ने 17 अप्रैल को हुए हादसे के बाद घायल के बयान पर केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में पाल्हावास निवासी सुनील को गिरफ्तार किया है। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने वाहन की टक्कर से युवक की मौत के बाद गत वर्ष 10 नवंबर को केस दर्ज किया था। वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। इस मामले में पुलिस ने धारूहेड़ा के दुकड़यि मोहल्ला निवासी लखन को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने विवाहिता को दहेज की मांग पर प्रताड़ति करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के कारण पुलिस ने उसके ससुराल पक्ष के पति सहित चार लोगों के खिलाफ 23 मार्च को दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने फतेहाबाद निवासी विजय कुमार को गिरफ्तार किया है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

मारपीट व धमकी का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को लगभग 8 साल बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति पक्ष के बयान पर 21 जुलाई 2018 को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। भिवानी के सांगा निवासी वजीर सिंह केस दर्ज होने के बाद से पुलिस गिरफ्त से बाहर चल रहा था।

मारपीट मामले का आरोपी वारंट पर लिया

रेवाड़ी। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने पीड़ति पक्ष के बयान पर गत वर्ष 26 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में एक आरोपी धारूहेड़ा के बाल भवन निवासी लक्की को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। वह अन्य मामले में जेल में बंद चला आ रहा है।

चोरी का आरोपी लिया प्रोडक्शन वारंट पर

रेवाड़ी। थाना रोहड़ाई पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने बीते दिनों गुरूग्राम के नानूकलां निवासी कर्मबीर को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। जांच के दौरान रोहड़ाई पुलिस को जानकारी मिली थी कि गत 18 अगस्त को दर्ज किए चोरी के मामले में भी कर्मबीर शामिल था, इसलिए कोर्ट से पुलिस ने उसे प्रोडक्शन वारंट पर लिया है।

ई-रिक्शा व थार में भिड़ंत से चार घायल

रेवाड़ी। चांदपुर की ढाणी के पास अनियंत्रित थार गाड़ी टायर फटने के बाद डिवाइडर कूदकर ई-रिक्शा से टकरा गई, जिससे रिक्शा में सवार चार लोग घायल हो गए। एक ई-रिक्शा बिठवाना सब्जी मंडी से सवारियां लेकर बावल चौक के निकली थी। इसी दौरान तेज रफ्तार थार गाड़ी डिवाइडर कूदकर रिक्शा से टकरा गई। थार गाड़ी को महिला चला रही थी। हादसे में ई-रिक्शा में सवार चालक सहित चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए। थार गाड़ी भी हादसे में क्षतिग्रस्त हो गई।

18,000 बच्चों में से 15000 ने ही लिए टैबलेट, 2965 की नहीं आ रही डिमांड

टैबलेट में तकनीकी खामी व गलत इस्तेमाल की आंशका

17965 टैबलेट स्कूलों में बांटे

2 से 3 प्रतिशत टैबलेट खराब और गुम पाए गए

अभिभावकों का कम रूझान व पोर्टल की तकनीकी उलझनों के कारण भी छात्रों ने नहीं लिए टैबलेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने और जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग की ओर से ई-अधिगम योजना के तहत सरकारी स्कूलों के कक्षा 9 से 12 तक के 18 हजार में से 15 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए थे, लेकिन अभिभावकों का रुझान कम होने और पोर्टल की तकनीकी उलझनों की वजह से ढाई हजार से अधिक विद्यार्थी टैबलेट लेने से वंचित है। विद्यार्थियों को टैबलेट प्रतिवर्ष वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व लौटाने होते है, जिसके लिए शिक्षा निदेशालय की ओर से जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे। निदेशालय ने टैबलेट जमा नहीं कराने वाले विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम रोकने के भी निर्देश दिए है। योजना के तहत शिक्षा विभाग की ओर से जिले के स्कूलों में 17965 टैबलेट दिए गए थे, जिसमें से 15 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए, जबकि डिमांड नहीं होने पर 2965 नए टैबलेट विभाग के पास रखे हुए है। योजना के नोडल अधिकारी अशोक नामवाल के अनुसार जिले में सभी विद्यार्थियों की ओर से टैबलेट जमा किए जा चुके है, जिसमें 2-3 प्रतिशत टैबलेट खराब व गुम पाए गए। खराब व गुम टैबलेट को लेकर बच्चों के अभिभावकों से लिखित पत्र लिया गया है।

रेवाड़ी। गर्ल्स स्कूल में टैबलेट दिखाते हुए छात्राएं। फाईल फोटो।

तकनीक से छात्रों में रटने की प्रवृत्ति कम हुईः वशिष्ठ

शैक्षणिक समानता सबसे बड़ा परिवर्तन डिजिटल विभाजन के खत्म होने के रूप में दिखा है। टैबलेट मिलने से अब एक ग्रामीण परिवेश का विद्यार्थी भी उन्हीं संसाधनों और वैश्विक सूचनाओं तक पहुंच बना पा रहा है, जो पहले केवल संपन्न वर्ग के बच्चों को उपलब्ध थीं। पारंपरिक रटने की पद्धति का स्थान अब समझने ने ले लिया है। टैबलेट में मौजूद पाल तकनीक से छात्रों में रटने की प्रवृत्ति कम हुई है और कठिन विषयों विज्ञान व गणित के प्रति रुचि और समझ गहरी हुई है। अब धरातल पर छात्र डिजिटल प्रोजेक्ट्स, ई-साहित्य और नवाचारी समाधान स्वयं तैयार कर रहे हैं, जिससे उनकी कल्पनाशक्ति को नई उड़ान मिली है। शिक्षक की भूमिका में परिवर्तन जैसे शिक्षक अब केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि डिजिटल सारथी बन गए हैं। वे ब्लैकबोर्ड से आगे बढ़कर प्रत्येक छात्र की प्रगति का वास्तविक समय में विश्लेषण कर पा रहे हैं, जिससे शिक्षण अधिक व्यक्तिगत और प्रभावी हुआ है।

जुर्माने का नहीं कोई प्रावधान

छात्र के पास यदि टैबलेट टूट जाता है या गुम हो जाता है। तो इसमें जुर्माने का कोई प्रावधान नहीं है। इसमे छात्र के लिखित पत्र में अभिभावक व बच्चे के हस्ताक्षर लेकर टूटा हुआ टैबलेट जमा कर लिया जाता है। जिले में इस वर्ष जमा किए गए टैबलेट में 2-3 प्रतिशत टैबलेट खराब व टूटे पाए गए। नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले में बच्चों की तो टैबलेट लेने में काफी रूचि है, लेकिन अभिभावकों को रूझान कम होने की वजह से काफी छात्र टैबलेट लेने से वंचित है।

पोर्टल नहीं चलने से हो रही परेशानी

नोडल अधिकारी ने बताया कि टैबलेट का डाटा पहले अवसर पोर्टल पर उपलब्ध रहता था। अब यह पोर्टल बंद हो चुका है। शिक्षा विभाग ने योजना के संचालन के तरीके में बदलाव करके टैबलेट को सीधे बांटने के बजाय एमआईएस प्लेटफॉर्म से जोड़ दिया ताकि प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति और डिवाइस के उपयोग की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सके। लेकिन एमआईएस पोर्टल पर सिर्फ टैबलेट ही नजर आता है बाकि डाटा उपलब्ध नहीं होने के कारण रजिस्टर में मैनवली काम किया जा रहा है।

टैबलेट जमा करवाएं

जिले के स्कूलों को निर्देश देने के बाद टैबलेट जमा करा लिए गए है। स्कूलों से किसी भी छात्र के टैबलेट न लौटाने की कोई सूचना नहीं है। निदेशालय की ओर से आगामी निर्देश आने पर टैबलेट वितरण का कार्य शुरू किया जाएगा।

\- **डा. अशोक नामवाल**, नोडल अधिकारी।

पारा चढ़ने से गर्मी के तेवर उग्र जल्द राहत की संभावना नहीं

रेवाड़ी। बुधवार को तेज धूप का बचाव करती युवतियां।

- तीन दिन बाद मौसम में बदलाव संभव, पारा गिरने के आसार नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अप्रैल के अंतिम दिनों में गर्मी ने जमकर पसीना निकालना शुरू कर दिया है। तापमान चढ़ने से भारी गर्मी का असर शुरू हो गया है। इससे जल्द राहत की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तीन दिन बाद मौसम में बदलाव की संभावना है, लेकिन इससे तापमान में ज्यादा गिरावट के आसार नहीं हैं। माह की शुरूआत ठंडे मौसम के साथ हुई थी। तापमान सामान्य से 10 डिग्री तक नीचे चले जाने के कारण अप्रैल के पहले पखवाड़े में मौसम ठंडा बना रहा। सुबह के समय लोगों को फरवरी जैसी ठंड महसूस होती थी। पंखे और एसी तक चलने बंद हो गए थे। बार-बार बारिश और हल्की ओलावृष्टि ने मौसम ठंडा बनाया हुआ था। तापमान लगातार 35 डिग्री से नीचे चल रहा था। रात का तापमान भी कम रहा था। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में मौसम साफ होने के बाद गर्मी चरम की ओर बढ़ने लगी। बुधवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। तेज धूप ने दोपहर तक मौसम का मिजाज गर्म बना दिया। 18 से 20 किलोमीटर की रफ्तार से चलने वाली हवाएं गर्म होकर लू का आभाष कराने लगीं। अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री बढ़कर 42.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 1.0 डिग्री की वृद्धि के साथ 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर कम होकर 10 प्रतिशत तक आ गया। शाम के समय आंशिक बादलों से भी मौसम के तेवर ठंडे नहीं पड़े थे।

तीन दिन बाद बदलाव की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 25 मार्च के बाद कुछ दिनों तक मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। आसमान में आंशिक या घने बादलों के बीच बूंदाबांदी भी हो सकती है, परंतु इससे तापमान में गिरावट की संभावना नजर नहीं आएगी। आने वाले दिनों में गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा। माह के अंत तक पारा 45 डिग्री तक पहुंच सकता है।

फसल बिक्री के नए नियमों से किसान परेशान : बृजेंद्र

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह व स्थानीय नेतागण। 8

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विदेशी मामले विभाग के उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में चल रही सद्भाव यात्रा बुधवार को नाहड़, झाल, नया गांव मोड़ व कोसली गांव में पहुंची। इस मौके पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा में वर्तमान समय में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है। पिछले डेढ़ साल के दौरान रंगदारी जैसी घटनाओं में बढोतरी हुई है। विदेश में बैठकर गैंगस्टर रंगदारी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। कुरूक्षेत्र जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है। इसके बावजूद बीजेपी सरकार हाथ पर हाथ धरे हुए बैठी है। बृजेंद्र सिंह ने प्रदेश की अनाज मंडियों में किसानों को फसल बेचने में आ रही दिक्कतों पर चर्चा करते हुए कहा कि किसान अपनी फसल को बेचने के लिए सड़कों पर बैठा है और सरकार नए नियमों के नाम पर किसानों को परेशान कर रही है। इसी प्रकार बेरोजगार युवाओं के साथ सरकार ने धोखा किया है। चुनाव के समय युवाओं को रोजगार देने का वादा करने वाली बीजेपी ने युवाओं के हितों पर कुठाराघात किया है। हरियाणा में बाहर के प्रदेशों के युवाओं को नौकरियां दी जा रही हैं। पूर्व सांसद ने कहा कि प्रदेश की जनता के हितों से बीजेपी को कोई सरोकार नहीं है, जबकि कांग्रेस पार्टी आम आदमी की हितों के लिए लगातार संघर्ष कर रही है।

महिला वकील को कुत्ते ने काटा, चार के खिलाफ केस दर्ज

बावल। मोहल्ला रामबास में घर की सीढ़ियों पर सफाई कर रही महिला वकील को एक कुत्ते ने काट लिया। उसकी शिकायत पर पुलिस ने तीन महिलाओं सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुत्ता महिला पर हमला करता हुआ दिखाई दे रहा है।

- 19 अप्रैल को पड़ोसी के कुत्ते ने किया था हमला

पुलिस शिकायत में महिला वकील ने बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाली दो महिलाएं घर के आसपास कुत्तों को बांधती हैं। कुत्तों के डर से बच्चे भी घरों से बाहर निकलने से डरते हैं। गत 19 अप्रैल को पड़ोसी ने कुत्ता खुला छोड़ दिया। कुत्ते ने उस पर हमला करते हुए पैर पर काट खाया। महिला का आरोप है कि पड़ोसी उसे परेशान करने के लिए कुत्ते को घर के आसपास बांधते हैं। पुलिस ने उसकी शिकायत पर तीन महिलाओं सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पांच स्वास्थ्य केंद्र होंगे अपग्रेड, छह नए खोलने की मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव।

हरियाणा सरकार ने रेवाड़ी जिले को करीब एक दर्जन स्वास्थ्य केंद्रों की सौगात दी है। जिले में पांच स्वास्थ्य केंद्र अपग्रेड किए गए हैं, जबकि छह नए स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव को पत्र लिखकर जिले के पांच स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड करने तथा छह नए स्वास्थ्य केंद्र खोलने के लिए अनुरोध किया था, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विभाग की ओर से फिजिबलिटी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वास्थ्य केंद्रों को मंजूरी दे दी है। इस योजना के लिए समाजसेवी सदस्य अनिल रायपुर व जिला प्रमुख मनोज यादव ने केंद्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह व स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का आभार जताया है। साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी आभार व्यक्त किया है।

इन गांवों में मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं

जिले में पीएचसी भाड़ावास व पीएचसी धारूहेड़ा को सीएचसी में अपग्रेड करने की स्वीकृति दी गई है, जबकि उपस्वास्थ्य केंद्र झाबुआ, उपस्वास्थ्य केंद्र शहबाजपुर खालसा और उपस्वास्थ्य केंद्र टींट को पीएचसी के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। इनके अलावा गांव मीरपुर, गांव अशियाकी टप्पा जड़थल, गांव भांडोर, गांव नठेड़ा, गांव सुर्खपुर तथा खरखड़ा में नया उपस्वास्थ्य केंद्र खोलने की मंजूरी प्रदान की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि जिन गांवों में स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड करने तथा नया खोलने की मंजूरी दी गई।

एपीके फाइल भेजकर साढ़े 15 लाख की ठगी का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने एपीके फाइल भेजकर एक व्यक्ति को साढ़े 15 लाख रुपये की साइबर ठगी का शिकार बनाने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मालपुरा निवासी देवेंद्र सिंह ने पुलिस शिकायत में बताया था कि गत वर्ष 1 नवंबर को उसके के व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल मिली थी। फाइल पर क्लिक करने के बाद उसका मोबाइल फोन हैंग हो गया। 5 नवंबर को उसने अपना मोबाइल फोन रिसेट करने के बाद बैंक जाकर पूछताछ की तो 1 नवंबर से 5 नवंबर तक उसके बैंक खाते से 11 ट्रांजेक्शन के जरिए साढ़े 15 लाख रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर कर लिए गए। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद यूपी के जिला इटावा के मोहल्ला मकसूदपुरा निवासी जाहिद व जिला इटावा के इमामवाड़ा निवासी फरहान खान को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में पुलिस ने एक और आरोपी झारखंड के जिला गिरिडीह के गांव अरखांगो निवासी संतोष कुमार यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम में से 3 लाख रुपये ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

घर में घुसकर हमला का आरोपी 8 साल बाद काबू

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने नांधा गांव में लगभग 8 साल पहले घर में घुसकर युवक से मारपीट करने और मोबाइल फोन व अन्य सामान चोरी करने के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वह पुलिस को लगातार चकमा दे रहा था। इस मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। नांधा निवासी धर्मेंद्र ने थाना खोल पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि 20 जुलाई 2018 की रात वह परिवार के साथ घर में सोया हुआ था। रात के समय 15-20 युवक हथियारों से लैस होकर दरवाजे पर लगे कूलर को धक्का देकर उसके कमरे में घुस गए। उसके साथ इन लोगों ने जमकर मारपीट की। उसने आरोप लगाया था कि गांव के एक व्यक्ति के साथ चल रहे जमीनी विवाद में उस पर हमला कराया गया था। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर उदयपाल, राजेन्द्र, विनोद , बंशी व राम, कुलदीप उर्फ मांडी निवासी गांव सांगा जिला भिवानी को गिरफ्तार कर लिया था।

नंबरदारों ने सीएम से लगाई मांगें पूरी करने की गुहार

रेवाड़ी। बाल भवन में बैठक करते हुए नंबरदार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बुधवार को नंबरदार वैलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक बाल भवन में जिला अध्यक्ष उदयराज राव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मौके पर उदयराज ने कहा कि हरियाणा भर के नंबरदार अपने-अपने क्षेत्र के विधायकों के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लंबित मांगों को पूरा कराने की मांग कर चुके हैं। संयोजक सतीश नंबरदार ने विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री ने वायदा किया था कि, हरियाणा में भाजपा की सरकार बनने के बाद नंबरदारों की सभी मांगे पूरी की जाएगी, लेकिन अभी तक मांग लंबित है। बैठक के बाद नंबदरारों ने सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय अनुसार सीएम विंडो में शिकायत लगाकर मुख्यमंत्री से मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई। मौके पर जिला उपप्रधान अर्जुन सिंह, जसवंत सिंह,तहसील प्रधान रेवाड़ी, जोगेंद्र राव, धर्मसिंह नंबरदार लोधाणा, रविन्द्र नंबरदार चौकी नंबर-2 आदि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में डे-केयर कीमोथेरेपी सेंटर का शुभारंभ

कैंसर मरीजों को मिलेगी प्रभावी व समयबद्ध उपचार सुविधा

- पहले दिन दो मरीजों को दी गई कीमोथेरेपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला नागरिक अस्पताल में बुधवार को कैंसर मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर एवं सुलभ उपचार सुविधा प्रदान करने की दिशा में डे-केयर कीमोथेरेपी सेंटर यानि डीसीसीसी का शुभारंभ किया गया। सेंटर का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की घोषणा के अनुरूप तथा स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के निर्देशानुसार किया गया है। सेंटर का उद्घाटन पीएमओ डा. सुरेन्द्र यादव ने विधिवत रूप से हवन एवं पूजा-अर्चना करके किया। इस अवसर पर डीएमएस डा. इन्द्रजीत यादव, डा. सुभाष यादव एडिशनल सीनियर मेडिकल ऑफिसर, डा. रितु यादव जिला नोडल अधिकारी डीसीसीसी, डा. श्रद्धा मनोचा इंचार्ज डीसीसीसी, डा. नीतिका रावल, डा. सुरेन्द्र सोगरा डीएमएस, अरुण डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, मनजीत एसएनओ, पूजा नर्सिंग ऑफिसर, सतीश पीओ, व सचिन क्लर्क सहित अन्य नर्सिंग अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। डीएमएस डा. इन्द्रजीत यादव ने बताया कि नागरिक अस्पताल में डीसीसीसी के शुभारंभ के साथ ही बुधवार को पहली बार दो कैंसर मरीजों को कीमोथेरेपी दी गई। ये मरीज पूर्व में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र से कीमोथेरेपी के लिए रेफर किए गए थे। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में कीमोथेरपी की सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे समय, धन एवं श्रम की बचत होगी। केंद्र में प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की देखरेख में कीमोथेरेपी सेवाएं दी जाएंगी। उपचार के दौरान मरीजों की सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, दवाओं का उचित प्रबंधन एवं निरंतर निगरानी की जाएगी।

रेवाड़ी। नागरिक अस्पताल में कीमोथेरेपी सेंटर के शुभारंभ पर पूजा करती टीम।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई दिशा

पीएमओ डा. सुरेन्द्र यादव ने डीसीसीसी इंचार्ज डा. श्रद्धा मनोचा एवं उनकी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस पहल से कैंसर मरीजों को अपने ही जिले में समय पर एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध होगा, जिससे उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य आमजन तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है और डीसीसीसी इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस केंद्र के माध्यम से न केवल मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई दिशा और मजबूती प्राप्त होगी।

शरीर के भीतर कोई बीमारी पनप रही है, इसकी जांच के लिए अलग-अलग टेस्ट तो किए ही जाते हैं। लेकिन अगर ध्यान दें तो आंखों से भी कई तरह के हेल्थ इंडिकेशंस मिल सकते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

आंखें देती हैं हेल्थ इंडिकेशंस

एलर्टनेस

डॉ. मधुस्मिता बेहेरा
नेत्र रोग विशेषज्ञ

हमारी आंखें, शारीरिक स्वास्थ्य की खिड़की जैसी होती हैं। इसलिए सेहत पर नजर रखने के लिए समय-समय पर नेत्र रोग विशेषज्ञ को जरूर दिखाते रहें। आंखों के पिछले हिस्से यानी रेटिना से चिकित्सक को आपकी नर्व्स और ब्लड वेसल्स का हाल पता चल जाता है। इनका बारीकी से मुआयना करने पर कई खतरनाक रोगों का शुरुआती चरण में ही पता चल जाता है, जिससे समय पर इलाज शुरू करवा कर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

ब्रेन हेल्थ: आंखों की पुतली और ऑप्टिक नर्व सीधे मस्तिष्क से जुड़ी होती हैं, जिससे ट्यूमर या अल्जाइमर जैसी स्थितियों का संकेत मिल सकता है। आंखों के पीछे रेटिना में वसा और कैल्शियम के छोटे जमाव अल्जाइमर रोग का संकेत हो सकते हैं। शोध के अनुसार, दृष्टि में बदलाव डिमेंशिया के निदान से कई साल पहले आ सकते हैं।

ब्रेन ट्यूमर: आंखों की जांच के दौरान ऑप्टिक नर्व (दृष्टि तंत्रिका) में सूजन या दबाव का पता चल सकता है, जो मस्तिष्क में ट्यूमर का संकेत हो सकता है।

हृदय रोग: पलकों के आस-पास वसा जमा होना या रक्त वाहिकाओं की स्थिति हृदय संबंधी जोखिमों को दर्शा सकती है। फ्लोरिडा (अमेरिका) की नोवा साउथ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ ऑप्टोमेट्री आई केयर इंस्टीट्यूट के एसोसिएट प्रोफेसर और नेत्र रोग विशेषज्ञ जोसेफ पिजिमेंटी कहते हैं कि हम आंखों के चेकअप से ब्रेन ट्यूमर और ब्रेस्ट कैंसर से लेकर लंग्स कैंसर तक का पता लगा सकते हैं जिनका प्रभाव आंखों तक पहुंच जाता है। नेत्र रोग विशेषज्ञ मरीज की दृष्टि में आए परिवर्तन की जांच करके ब्रेन ट्यूमर का पता लगा सकते हैं।

डायबिटीज: टाइप 2 डायबिटीज के शुरुआती संकेतों में से एक है रेटीना में मामूली मात्रा में ब्लीडिंग होना, जो डायबिटिक रेटीनोपैथी का लक्षण है। इसका समय पर इलाज शुरू न किया जाए, तो मरीज अपनी दृष्टि पूरी तरह खो सकता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी का शुरुआती चरण में पता चल जाए तो जीवनशैली में बदलाव लाकर, पौष्टिक भोजन के माध्यम से और वजन घटाकर दृष्टिहीनता के खतरे को कम किया जा सकता है।

उच्च रक्तचाप: न्यूयॉर्क (अमेरिका) की विल कोर्नेल मेडिकल कॉलेज में ऑफ्थेल्मोलॉजी की प्रोफेसर जेसिका सिराल्सकी कहती हैं, ब्लड वेसल्स को पहुंची क्षति, धमनियों में सिकुड़न और उनका कमजोर होना आदि उच्च रक्तचाप की निशानी हो सकते हैं। अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक रेटीना की छोटी ब्लड वेसल्स का संकरा होना हार्ट डिजीज का संकेतक हो सकता है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस: अमेरिकन ऑप्टोमेट्रिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मिटशेल मुनसोन बताते हैं कि ऑप्टिक नर्व का इनफ्लेमेशन यानी ऑप्टिक न्यूराइटिस, मल्टीपल स्क्लेरोसिस का शुरुआती लक्षण हो सकता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के 75 फीसदी मरीजों में ऑप्टिक न्यूराइटिस होता है। लेकिन ऑप्टिक न्यूराइटिस का मतलब यह जरूरी नहीं कि मरीज को एमएस डिजीज भी हों, यह किसी अन्य कारण से भी हो सकता है।

रूमेटाइड आर्थराइटिस: विशेषज्ञ बताते हैं कि रूमेटाइड आर्थराइटिस के 25 फीसदी मरीजों में आंखों की समस्या भी पाई जाती है। जिनमें ड्राई आइज की समस्या सबसे आम है। अगर किसी मरीज की आइरिस में साल में दो बार दर्द और इन्फ्लेमेशन की शिकायत हो, तो उसमें रूमेटाइड आर्थराइटिस की संभावना होती है।

कहने का सार है कि आपको अपनी आंखों की रेग्युलर जांच करानी चाहिए। *

प्रस्तुति: अंजू जैन

हेल्थ सजेशन

शिखर चंद जैन

स्वस्थ, ऊर्जावान और दीर्घायु जीवन की कामना लगभग सभी लोग करते हैं। लेकिन इसके लिए अपनी जीवनशैली में किन बातों को अमल में लाना जरूरी होता है, इस बारे में कम लोग ही जानते हैं। विभिन्न अध्ययनों पर आधारित हम यहां दस ऐसे कारगर सूत्रों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप लंबे समय तक स्वस्थ, ऊर्जावान जीवन जी सकते हैं।

स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं 10 सरल-कारगर सूत्र

सभी हेल्थ एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि स्वस्थ-निरोगी तन और दीर्घायु जीवन रातों-रात प्राप्त नहीं किया जा सकता है। बल्कि यह हमारे रोजमर्रा की जीवनशैली में शामिल छोटी-छोटी अच्छी आदतों का परिणाम होता है। आपकी जीवनशैली और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधा संबंध होता है। आधुनिक विज्ञान यह साबित कर चुका है कि हमारी दैनिक आदतें हमारे जीन से भी ज्यादा प्रभावशाली हो सकती हैं। वैज्ञानिक शोधों के आधार पर यहां 10 ऐसी हैबिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपका अच्छा स्वास्थ्य तय करते हैं। यानी इन सूत्रों पर अमल करके आप स्वस्थ और ऊर्जावान बने रह सकते हैं।

प्लांट-बेस्ड डाइट को अपनाएं

दुनिया में मौजूद 'ब्लू जोन' (जहां रहने वाले लोग सबसे ज्यादा जीते हैं) पर किए गए अध्ययनों से पता चला है कि फल, सब्जियां और साबुत अनाज आधारित भोजन, कैंसर और हृदय रोगों को दूर रखता है। इसके लिए आपके भोजन की थाली का आधा हिस्सा फलों और सब्जियों से भरा होना चाहिए। साबुत अनाज (ओट्स, ब्राउन राइस) और बींस (दालें, मटर, लोबिया) को भी अपने आहार में शामिल करना लाभकारी होता है। पशु उत्पादों (मांस, डेयरी) को अपने आहार में कम शामिल करें, पूरी तरह बंद करना अनिवार्य नहीं है। प्रोसेस्ड फूड के सेवन से बचें और साबुत खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें।

सर्केडियन रिदम रखें सही

सर्केडियन रिदम यानी शरीर की आंतरिक 24 घंटे एक्टिव रहने वाली घड़ी। यही हमारे सोने-जागने, हार्मोन स्तर, मेटाबॉलिज्म और तापमान को नियंत्रित करके स्वास्थ्य को बनाए रखती है। यह रात में मेलाटोनिन जारी कर अच्छी नींद, दिन में ऊर्जा और शरीर को रिपेयर करने में मदद करती है, जिससे तनाव कम होता है और शुगर/बी.पी. जैसी बीमारियों का जोखिम घटता है। शोध बताते हैं कि शरीर की आंतरिक घड़ी के अनुसार जागना और सोना मेटाबॉलिज्म को ठीक रखता है। समय पर सोने से हृदय रोग और डायबिटीज का खतरा कम होता है।

तनाव प्रबंधन है बहुत जरूरी

अच्छे जीवन के लिए तनाव प्रबंधन भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन, शरीर में कोर्टिसोल के स्तर को कम करके, रक्तचाप को नियंत्रित रखकर और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखता है। नियमित व्यायाम, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और योग/ध्यान के माध्यम से तनाव प्रबंधन किया जा सकता है। यह अनिद्रा और थकान को दूर करता है, जिससे हृदय रोग और पुरानी बीमारियों का जोखिम कम होता है। लंबे समय तक तनाव रहने से 'कार्टिसोल' हार्मोन का स्तर बढ़ता है। रिसर्च कहती है कि ध्यान और योग क्रॉनिक इंफ्लेमेशन को कम करते हैं।

अच्छी हो नींद की गुणवत्ता

'नेशनल स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, डेली 7-9 घंटे की गहरी नींद मस्तिष्क से विषाक्त पदार्थों को साफ करती है, जिससे अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। अच्छी नींद की गुणवत्ता शारीरिक मरम्मत, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन के लिए अनिवार्य है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है, तनाव वाले हार्मोन के स्तर को कम करती है, याददाश्त बढ़ाती है और वजन प्रबंधन में मदद करती है। बिना रुकावट वाली गहरी नींद, आपको ऊर्जावान बनाए रखने और पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए भी जरूरी है।

सक्रिय जीवनशैली को अपनाएं

अच्छी हेल्थ के लिए सक्रिय जीवनशैली भी बहुत मायने रखती है। 'हार्वर्ड हेल्थ' (हार्वर्ड मेडिकल स्कूल) के अनुसार, रोजाना 30 मिनट की वॉकिंग दीर्घायु होने में सहायक हो सकती है। व्यायाम न केवल वजन घटाता है, बल्कि एंडोर्फिन नामक हार्मोन जारी करता है, जो मानसिक स्वास्थ्य सुधारता है। सक्रिय जीवनशैली, हृदय के स्वास्थ्य, वजन नियंत्रण और मानसिक मजबूती बढ़ाकर शरीर को स्वस्थ रखती है। यह हृदय रोगों, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को कम करती है। इसके साथ ही मांसपेशियों/ हड्डियों को मजबूत बनाकर जीवन प्रत्याशा में वृद्धि भी करती है।

स्क्रीन टाइम ना हो अनलिमिटेड

अत्यधिक मोबाइल का उपयोग मानसिक थकान और आंखों की समस्याओं की वजह बन सकता है। कई शोध बताते हैं कि आज के समय में डिजिटल डिटॉक्स जरूरी हो गया है। स्क्रीन एडिक्शन के बजाय नेचर के करीब समय बिताने से ब्लड प्रेशर तुरंत कम होता है। स्क्रीन का कम उपयोग दिमाग को शांत करता है, जिससे किसी काम में ध्यान (फोकस) बेहतर होता है। आंखों की सुरक्षा के लिए हर 20 मिनट के बाद 20 सेकेंड के लिए 20 फीट दूर देखने (20-20-20 नियम) से आंखों का सूखापन और तनाव कम होता है। स्क्रीन-मुक्त समय में टहलने, योग करने या हॉबी अपनाने से शारीरिक गतिविधि बढ़ती है और मोटापा कम होता है। भोजन के समय या बेडरूम में फोन का उपयोग न करने से परिवार और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का अवसर मिलता है, इससे आपको खुशी मिलती है।

सामाजिक जुड़ाव है बहुत जरूरी

'हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट' (करीब 80 साल तक चली स्टडी) में पाया गया कि अच्छे रिश्ते हमें खुश और स्वस्थ रखते हैं। अकेलापन, धूम्रपान जितना ही हानिकारक होता है। सामाजिक जुड़ाव मानसिक तनाव, अवसाद और चिंता को कम करके, दीर्घकालिक बीमारियों का जोखिम घटाकर और स्वस्थ व्यवहारों (जैसे व्यायाम, अच्छी नींद) को बढ़ावा देकर स्वास्थ्य में सुधार करता है। परिवार और दोस्तों के साथ मजबूत रिश्ते सकारात्मक भावनाएं, जीवन में उद्देश्य प्रदान करते हैं, जिससे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

हाइड्रेशन लेवल ना हो कम

अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी आवश्यक होता है। ऐसा करना गुर्दे यानी किडनी की कार्यक्षमता और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है। शोध बताते हैं कि सही मात्रा में हाइड्रेशन, त्वचा और पाचन के लिए भी अनिवार्य है। यह शारीरिक तापमान को नियंत्रित करता है, जोड़ों को चिकनाई प्रदान करता है, पोषक तत्वों का परिवहन करता है, ऊर्जा स्तर बनाए रखता है और पाचन में मदद करता है। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी स्वस्थ रहती है और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते रहते हैं।

गट हेल्थ हो सही

अच्छी हेल्थ और गट हेल्थ के रिलेशन पर किया गया हालिया रिसर्च, 'गट-ब्रेन एक्सिस' पर जोर देता है। प्रो-बायोटिक्स और फाइबर युक्त भोजन हमारे इम्यून सिस्टम को 70-80 प्रतिशत तक नियंत्रित करते हैं। इसलिए गट हेल्थ पर ध्यान दिया जाना जरूरी है।

नशीले पदार्थों से रहें दूर

प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' की रिपोर्ट के अनुसार, शराब, तंबाकू या किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन किसी भी स्तर पर सुरक्षित नहीं है। यह सीधे तौर पर डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं, जो आगे चलकर गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। इसलिए स्वस्थ और दीर्घायु जीवन के लिए किसी भी नशीले पदार्थ का किसी भी रूप में सेवन हानिकारक हो सकता है। यहां बताई गई बातों को अपनी जीवनशैली में अपनाकर निश्चित ही आप स्वस्थ और दीर्घायु जीवन जी सकते हैं। *

डिजीज

डॉ. अनुराग अग्रवाल
क्लिनिकल डायरेक्टर
ऑर्थोपेडिक्स, ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद

लगभग एक हजार बच्चों में से एक को हिप ज्वाइंट से जुड़ा डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया रोग होता है। इसमें बच्चे की मूवमेंट प्रभावित हो सकती है। समय पर ट्रीटमेंट न कराने पर प्रॉब्लम बढ़ सकती है। इस बारे में डिटेल में जानिए।

डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप बच्चे के मूवमेंट को करता है प्रभावित

हाल ही में फिल्म एक्टर वरुण धवन की 2 साल की बेटी के एक फिजिकल प्रॉब्लम से उबरने की खबर सामने आई। उनकी बेटी डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप (डीडीएच) नामक विकार से जूझ रही थी, जो अब उपचार के बाद ठीक है।

क्या है यह रोग: डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप, बच्चों के हिप सॉकेट या कूल्हे के जोड़ में होने वाली विकृति है। इसे हिप डिसप्लेसिया भी कहा जाता है। जोड़ शरीर का वह हिस्सा होता है, जहां दो हड्डियां आपस में मिलती हैं। हिप का जोड़ जांघ की हड्डी (फीमर) और पेल्विस के बीच का जुड़ाव बिंदु होता है। डीडीएच में हिप का जोड़ नॉर्मल स्वस्थ जोड़े की तरह विकसित नहीं हो पाता और काफी उथला या ढीला हो जाता है। फीमोरल हेड बॉल (फीमर का ऊपरी भाग) पेल्विस में मौजूद हिप सॉकेट (एसीटैबुलम) में सही तरीके से फिट नहीं हो पाता और बाहर निकलने लगता है। जिसकी वजह से मरीज का हिप-लक्सेशन शुरू हो जाता है यानी हिप अपनी जगह से खिसक जाती है। जांघ के अंदरूनी हिस्से-ग्रोइन में सामान्य से ज्यादा गहरे स्किन-फोल्ड या क्रीज बन जाती हैं। पैर के बाहर की तरफ खोलने का मूवमेंट रुक जाता है। जिस पैर में यह दिक्कत होती है, वो पैर थोड़ा छोटा हो सकता है। बच्चे को हिप में अकड़न-सी महसूस होती है, मूवमेंट करने पर हिप के अंदर चटकने या क्लिक की आवाज आती है।

क्या होता है असर: डीडीएच डेवलपमेंटल डिसऑर्डर है, जो बचपन में ही हो जाता है। ध्यान न देने पर धीरे-धीरे समस्या बढ़ती जाती है। बच्चे को क्रॉनिक दर्द रहता है। उसके हिप के मूवमेंट बहुत कम हो जाते हैं। पैर छोटे-बड़े हो जाने पर बच्चे को चलने-फिरने में दिक्कत आती है। नजरअंदाज करने पर बड़े होने पर बच्चे को हिप ऑस्टिओअर्थराइटिस हो सकता है। यानी हिप खराब होने और चाल में स्थाई रूप से लंगड़ापन आने की संभावना रहती है। जबकि सही ढंग से उपचार होने पर बच्चा सामान्य जीवन जी सकता है।

समस्या के कारण: इस समस्या के कई कारण हो सकते हैं।

- आनुवांशिक, जेनेटिक फैक्टर्स की वजह से होता है।
- ब्रीच पाश्जीशन/उल्टे पैदा हुए बच्चे जो जन्म के समय सिर के बजाय हिप्स के माध्यम से पैदा होते हैं।
- प्री-मैच्योर पैदा हुए बच्चे।
- पैरेंट्स की गलत आदतें जैसे बच्चे को उठाते या सुलाते समय बच्चे के पैर सीधे करके हिप्स को चादर, टावल या कंबल से कसकर बांधना।

किन्हें है खतरा: लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा 80 प्रतिशत मामले ज्यादा होते हैं। पहली संतान को ज्यादा खतरा रहता है।

न करें नजरअंदाज: पैरेंट्स को इसके कोई भी लक्षण नजर आएं, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर उपचार कराना चाहिए। बच्चे का पैरों की लंबाई या जांघों के आस-पास ग्रोइन एरिया के स्किन-फोल्ड असमान दिखाई दें, हिप के आस-पास हाथ लगाने पर कोई आवाज सुनाई दे या हिप के मूवमेंट प्रॉपर न हों या मूवमेंट सामान्य से कुछ कम लगे।

कैसे होता है डायग्नोज: डीडीएच को कंफर्म करने के लिए डॉक्टर बच्चे का हिप एब्डेक्शन टेस्ट या बार्लोस-मैनुअल टेस्ट करते हैं। साथ ही हिप फीमर की स्थिति की जांच के लिए 4-6 महीने के बच्चे का अल्ट्रासाउंड और बड़े बच्चे का एक्स-रे टेस्ट भी कराया जाता है।

क्या है उपचार: इस रोग का उपचार बच्चे की उम्र और समस्या की गंभीरता पर निर्भर करता है। 6 महीने से छोटे बच्चे का हिप हाथ लगाने पर अगर अंदर की तरफ रिड्यूस हो रहा है, तो बच्चे को पेल्विक हार्नेस ब्रेस लगाया जाता है। जो बच्चे के हिप्स को बाहर की तरफ फैलाकर और घुटनों को मोड़कर रखता है। हिप पर प्रेशर पड़ने से धीरे-धीरे रिड्यूस होकर स्टेबल हो जाता है। पेल्विस में एसीटैबुलम सॉकेट सही पोजीशन में आ जाता है, जिसमें फीमर हेड आसानी से फिट हो जाता है। शुरू में ब्रेस पूरे टाइम के लिए लगाया जाता है, कुछ टाइम बाद सिर्फ रात को लगाने के लिए कहा जाता है। अगर बच्चा 6 महीने से बड़ा है और हिप सही पोजीशन में नहीं जा पा रहा हो तो ऐसी स्थिति में हिप-रिडक्शन सर्जरी की जाती है और कुछ समय के लिए हिप स्पाइका कास्ट प्लास्टर लगाया जाता है। इस तरह की सर्जरी से पहले हिप को रिड्यूस करके सही पोजीशन में लाया जाता है। कुछ समय बाद यह फिट हो जाता है।

रखें ध्यान: बच्चे को डीडीएच की समस्या से बचाने के लिए पैरेंट्स को यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

- पैदा होने पर बच्चे के हिप्स को बहुत ज्यादा कसकर नहीं बांधें, ताकि बच्चा अपने घुटने को किक करने वाले मूवमेंट को आराम से कर सके।
- बच्चे के पैरों को लंबे समय तक जबरदस्ती सीधे करके नहीं रखें। हिप और घुटने का मूवमेंट होते रहना बहुत जरूरी है।
- बच्चे को उठाते समय ध्यान रखें कि बच्चा फ्रॉग और एम पोजीशन में रहे ताकि बच्चे का हिप्स और हिप सॉकेट एसीटैबुलम ठीक पोजीशन में हो।
- बच्चे को सीट पर बिठाते समय ध्यान रखें कि उसके घुटने-हिप्स के ऊपर हों।
- बच्चों के चलने-फिरने और फिजिकल ग्रोथ पर नजर रखें। किसी भी तरह की असामान्यता नजर आने पर यथाशीघ्र मेडिकल सलाह लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

हालांकि अब देश में मलेरिया के मामले कम ही आते हैं। लेकिन अभी इसका पूरी तरह उन्मूलन नहीं हो सका है। **25 अप्रैल, विश्व मलेरिया दिवस** के मौके पर जानिए, मलेरिया उन्मूलन में क्या समस्याएं हैं और इसमें हम कैसे सहयोग दे सकते हैं।

जब सभी लोग करेंगे प्रयास तभी मिलेगी मलेरिया से मुक्ति

हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व मलेरिया दिवस, केवल एक औपाचारिक तारीख भर नहीं है बल्कि संकल्प का प्रतीक है। बीते एक दशक से हमारे देश ने इस दिशा में काफी प्रगति की है। यह प्रगति आशा जगाती है कि वह दिन अब दूर नहीं है, जब भारत मलेरिया मुक्त देश बनेगा।

कम हो रहे मलेरिया के मामले: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में मलेरिया के मामलों और मौतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। साल 2015 के बाद से मलेरिया के मामलों और मलेरिया से होने वाली मृत्यु दर में 70 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट हासिल की है और यह उपलब्धि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम और राज्यों के संबंधित प्रयास से हासिल हुई है।

बनी हुई है चुनौती: इस उपलब्धि के बावजूद देश के कई राज्यों मसलन ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में विशेषकर इनके आदिवासी क्षेत्रों में आज भी मलेरिया एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसका बड़ा कारण इन इलाकों की भौगोलिक कठिनाइयां, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और जागरूकता का अभाव है। फिर भी धीरे-धीरे हम अपने मलेरिया मुक्त लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। भारत सरकार ने साल 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों से सरकार एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रही है।

रोग के कारण-लक्षण: मलेरिया एक परजीवी रोग है, जो प्लास्मोडियम नामक परजीवी के कारण होता है और यह संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। मलेरिया के प्रमुख लक्षणों में है- तेज बुखार और ठंड लगना, सिर दर्द और उल्टी, शरीर में दर्द या कमजोरी, गंभीर मामलों में बेहोशी और यदि समय पर इलाज न मिले तो मलेरिया जानलेवा भी हो सकता है। खासकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए।

उन्मूलन के प्रयास हैं जारी: साल 2030 तक हम मलेरिया मुक्त हो सकें, इसके लिए सरकार कई स्तरों पर प्रयास कर रही है। जैसे- मच्छरों के प्रजनन स्थलों को, विशेषकर इसके सीजन में, खत्म करने का अभियान चलया जाता है, जिसके लिए रुके हुए पानी में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाता है और लोगों को मच्छरदानी के अंदर सोने के लिए आगाह किया जाता है। डिजिटल निगरानी, ड्रोन के माध्यम से कीटनाशकों का छिड़काव और डेटा आधारित रणनीति तैयार की जाती है, जिससे मलेरिया के रोकथाम में स्थाई कमी आए, यह लक्ष्य होता है। स्कूलों, पंचायतों और मीडिया के माध्यम से लोगों को मलेरिया के संबंध में जागरूक किया जाता है कि समय रहते मलेरिया से कैसे बचा जा सके? मलेरिया का उन्मूलन तभी संभव होगा, जब सरकार के साथ-साथ आम जनता भी इस मामले में संवेदनशील होगी और सिर्फ सरकार के भरोसे हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगी बल्कि अपने हिस्से की भी जरूरी सावधानियां बरतेगी, तभी मलेरिया जैसी खतरनाक बीमारी से पूरी तरह से मुक्ति संभव है। *

मलेरिया से बचने के उपाय

- घर की खिड़कियों पर जाली लगवाएं।
- जिस मौसम में मच्छरों का प्रकोप होता है, कोशिश करें पूरी बांह के कपड़ें पहनें।
- घर के आसपास पानी न जमा होने दें।
- कूलर, टंकी और गमलों को नियमित रूप से साफ करते रहें।
- मच्छर भगाने वाले क्रीम/कॉयल आदि का इस्तेमाल करें।
- फीवर होने पर तुरंत ब्लड टेस्ट कराएं।
- डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा न लें और घर के बुजुर्गों व बच्चों का विशेष रूप से ध्यान रखें।

खबर संक्षेप

जिला पुस्तकालय के छात्र ने पाई जेईई में सफलता

नारनौल। जिला पुस्तकालय के नियमित छात्र रुद्रबाल पुत्र कैलाश कमल ने प्रतिष्ठित आईआईटी-जेईई मेंस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 99.72 परसेंटाइल प्राप्त कर ऑल इंडिया 4568 रैंक व कैटेगरी रैंक 458 हासिल की है। इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे जिले तथा पुस्तकालय का नाम भी गौरवान्वित हुआ है। रुद्रबाल पिछले दो वर्षों से जिला पुस्तकालय के नियमित छात्र रहे हैं। वे पुस्तकालय के सबसे ईमानदार व मेहनती विद्यार्थियों में से एक रहे हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय पुस्तकालय के शांत, अनुशासित व अध्ययन के अनुकूल वातावरण को दिया है।

आंगनबाड़ी में मनाया पोषण पखवाड़ा

नारनौल। शहर के वार्ड नंबर 10 की आंगनबाड़ी केंद्र में बुधवार को पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य महिलाओं व बच्चों को पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान गर्भवती महिलाओं, दूध पिलाने वाली माताओं व छोटे बच्चों के लिए विशेष रूप से पोषण संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लता शर्मा, सहायिका राजबाला सहित अन्य स्टाफ ने भाग लिया।

गुजरवास स्कूल में पृथ्वी दिवस पर निकाली रैली

मंडी अटेली। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर क्षेत्र की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मकता और जागरूकता का परिचय दिया। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुजरवास में प्राचार्य रोशनलाल के नेतृत्व में छात्राओं ने हाथों में पर्यावरण संरक्षण के नारे लिखे पोस्टर लेकर गांव में जागरूकता रैली निकाली।

सरकारी स्कूलों में टैबलेट योजना की हकीकत

1,400 से ज्यादा टैबलेट डैमेज, कई चालू तक नहीं हो रहे, नए छात्रों को दिए जा रहे पुराने उपकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई टैबलेट योजना जमीनी स्तर पर गंभीर खामियों से जूझती नजर आ रही है। लाखों रुपये खर्च कर छात्रों को तकनीक से जोड़ने की कोशिश के बावजूद बड़ी संख्या में टैबलेट खराब, बंद या अनुपयोगी पाए गए हैं। हालात यह हैं कि कई छात्रों को पुराने और रिफर्बिश्ड टैबलेट थमाकर योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। गौर हो कि जिले में अब तक कुल 20,057 टैबलेट वितरित किए जा चुके हैं, लेकिन इनमें से 1,406 टैबलेट तकनीकी खराबी के कारण डैमेज पाए गए हैं। कई जगह छात्रों ने शिकायत की है कि टैबलेट सही से चालू नहीं होते, लॉक सिस्टम खराब है या बार-बार हैंग हो जाते हैं। ऐसे में डिजिटल शिक्षा का उद्देश्य ही प्रभावित हो रहा है। छात्रों और शिक्षकों का कहना है कि टैबलेट मिलने के बावजूद पढ़ाई में अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा। परिजनों का कहना है कि सरकार नई तकनीक देने का दावा कर रही है, लेकिन हकीकत में बच्चों को पुराने और खराब डिवाइस दिए जा रहे हैं, जिससे उनका उत्साह भी कम हो रहा है।

अलग खबर

पुराने टैबलेट नए छात्रों को, बढ़ी नाराजगी

योजना के तहत 12वीं कक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों से टैबलेट वापस लेकर उन्हें नए छात्रों को दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया ने नई समस्याएं खड़ी कर दी हैं। कई छात्रों को ऐसे टैबलेट मिल रहे हैं जो पहले से इस्तेमाल किए जा चुके हैं और उनकी स्थिति संतोषजनक नहीं है।

वितरण में असंतुलन

आंकड़ों के अनुसार, 17,058 टैबलेट सीधे विद्यार्थियों को दिए गए हैं, जबकि 96 प्रिंसिपल, 1,411 पीजीटी/टीजीटी, 1,350 प्राइमरी शिक्षक और 194 बुनियाद वर्ग के छात्रों को भी टैबलेट वितरित किए गए हैं। इसके बावजूद वर्तमान में 491 विद्यार्थियों, 9 प्रिंसिपल, 5 पीजीटी और 12 बुनियाद छात्रों के टैबलेट वापस स्टॉक में पड़े हैं। यह स्थिति वितरण प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करती है कि जरूरतमंद छात्रों तक टैबलेट समय पर क्यों नहीं पहुंच पा रहे।

सीमित डेटा और सुरक्षा का झंझट

टैबलेट के साथ हर माह केवल 2 जीबी डेटा उपलब्ध कराया जा रहा है, जो आज के डिजिटल दौर में बेहद कम माना जा रहा है। ऑनलाइन क्लास, वीडियो लेक्चर और अध्ययन सामग्री के लिए यह डेटा पर्याप्त नहीं है, जिससे छात्र बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

टैबलेट चोरी एक झंझट

वहीं टैबलेट चोरी होने की स्थिति में एफआईआर दर्ज कराने का प्रावधान भी छात्रों और अभिभावकों के लिए अतिरिक्त झंझट बन रहा है।

अधिकारियों का दावा सुधार की कोशिश जारी

डाइट के टैबलेट इंचार्ज अरुण कुमार और डीएमएस संजय कुमार ने संयुक्त बयान में कहा है कि विभाग लगातार खामियों को दूर करने का प्रयास कर रहा है। खराब टैबलेट को ठीक कराने और वितरण प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

नागरिक अस्पताल में डीसी के समक्ष बोले मरीज... अक्सर बाहर की दवा लिखते है डॉक्टर

बाहर की दवा लिख रहे डॉक्टर कहीं कमीशन का खेल तो नहीं!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने हाल ही में कार्यभार संभाला है। वह फिल्ड में भी उतर गई है। बुधवार करीब डेढ़ घंटे तक नागरिक अस्पताल की हर बिल्डिंग में गई और वहां स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं की जानकारी व मरीजों से बातचीत की। इस बीच जब दवा काउंटर पर डीसी पहुंची और मरीजों से सभी दवा मिलने के बारे में पूछा। जवाब सुन डीसी भी हैरान हो गई। मरीजों ने स्पष्ट कहा कि यहां के चिकित्सक बाहर की दवा लिखते है। यहां दवा नहीं होती या फिर कोई ओर मामला है, यह जांच करें। एक मरीज ने यहां तक कहा कि कुत्ते के काटने पर एक इंजेक्शन लगाने की एवज में 200 रुपये तक लिए गए। यह सुन डीसी ने सख्त लहजे में सीएमओ व एमएस को आदेश दिए कि यहां ऑडियो वीडियो सीसीटीवी कैमरा लगाएं ताकि पूरी गतिविधि रिकॉर्ड हो। दवा का स्टॉक रजिस्टर भी देखे कि वास्तव में दवा नहीं है या कोई ओर मामला है। दवा काउंटर के बाहर सभी दवाओं के स्टॉक संबंधित लिस्ट लगाए ताकि मरीज को भी पता रहे दवा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पूरे अस्पताल परिसर का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त ने सहायता केंद्र, पूछताछ केंद्र और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना काउंटर का भी अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने एसएनसीयूए विभिन्न वार्डों और ट्रॉमा सेंटर का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार, एमएस डॉ. आशा शर्मा व डीपीएम संदीप यादव सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

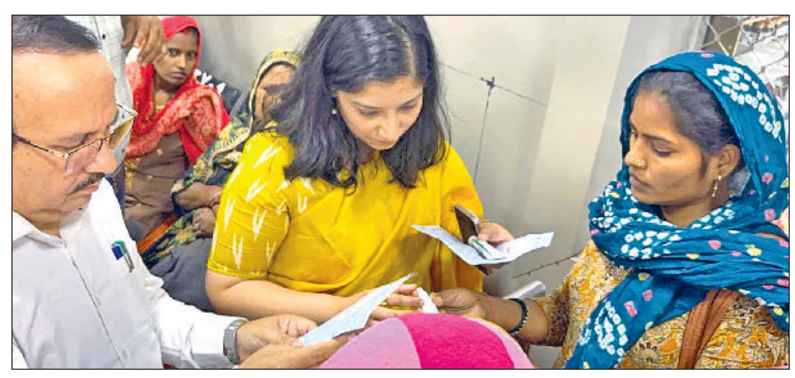

नारनौल। बाहर की दवा लिखने की पर्ची डीसी को दिखाते मरीज। फोटो : हरिभूमि

बिल्डिंग की हालत व सीवरेज ओपन की भी दिखी समस्या

कहने को यह उपायुक्त का औचक निरीक्षण था। हकीकत में पूरे स्वास्थ्य विभाग को उपायुक्त के दौरे की जानकारी थी। इस वजह से पहले से ही नागरिक अस्पताल के हर कोने को चमकाया गया। रोजमर्रा में जहां फिनाइल इस्तेमाल नहीं होती, बुधवार को उसकी महक भी महसूस की गई। यहीं नहीं, डीसी ने इस निरीक्षण में पुरानी बिल्डिंग के इमरजेंसी रूम से बाहर का दृश्य भी देखा। वहां के बारे में सीएमओ ने बताया कि यह काम पीडब्ल्यूडी विभाग का है।

उठाए सवाल

इस निरीक्षण के बाद उपायुक्त से बातचीत करते हुए हरिभूमि ने अस्पताल के अंदर पार्किंग अव्यवस्था और अल्ट्रासाउंड की लंबी तारीख को लेकर सवाल किए। इस पर उपायुक्त ने सीएमओ के हवाले से कहा कि रोजाना 40 के करीब अल्ट्रासाउंड होते है। जो बहुत ज्यादा है। डिमांड के अनुसार सीएमओ से पत्राचार कर ओर अल्ट्रासाउंड मशीन सहित अन्य मशीनों को मंगवाया जाएगा।

क्या कहते हैं सीएमओ

सीएमओ डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि बाहर की दवा नहीं लिखने के पहले ही आदेश दिए गए थे। फिर भी चिकित्सक ऐसा कर रहे है। इस बारे में संबंधित चिकित्सक को नोटिस भेजकर जवाब मांगा जाएगा। साथ ही भविष्य में यह बात ना दोहराई जाए, इसके भी सख्त निर्देश दिए जाएंगे।

श्रीकृष्णा में सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल में बुधवार को छात्राओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा आठवीं और नौवीं की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व और सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरूक किया। पीआरओ सुधीर यादव ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के मन में वैक्सीन को लेकर उठने वाली शंकाओं का भी समाधान किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वैक्सीन मुख्य रूप से 14 से 15 वर्ष तक की लड़कियों को लगाई जाती है तथा टीकाकरण के लिए नागरिक अस्पताल में विशेष सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि समय पर टीकाकरण भविष्य में कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। कार्यक्रम में नागरिक अस्पताल से मुख्यातिथि डॉ. विकास यादव ने शिरकत की। विकास यादव ने कहा, सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला एक गंभीर रोग है, लेकिन सही समय पर टीकाकरण और जागरूकता से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है।

रामचंद्र स्कूल में हुई वेस्ट मेटेरियल प्रतियोगिता

कनीना। रामचंद्र पब्लिक स्कूल में बुधवार वेस्ट मटेरियल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बेकार पड़ी वस्तुओं का उपयोग करके सुंदर और उपयोगी सामग्री तैयार की। बच्चों ने प्लास्टिक की बोतलें, पुराने अखबार, गत्ते और अन्य अनुपयोगी सामग्री से आकर्षक मॉडल बनाकर अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता विकसित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। सभी विद्यार्थियों ने उत्साह और लगन के साथ भाग लिया।

इंडस वैली स्कूल दौंगड़ा अहीर का जेईई मेन्स 2026 में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गत दिवस आईआईटी (जे.ई.ई मेन्स) 2026 के घोषित परिणामों में इंडस वैली पब्लिक स्कूल, दौंगड़ा अहीर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। विद्यालय के मेधावी छात्रों ने उत्कृष्ट पर्सेंटाइल हासिल कर सफलता का परचम लहराया।

प्राचार्य जयवीर सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि जे.ई.ई मेन्स 2026 में विद्यालय के 25 विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हिमांशु (रामचंदपुरा) 98ःटाइल, दीपिका (खत्रीपुर) 97ःटाइल, सोवित (दौंगड़ा अहीर) 97ःटाइल, सलोनी (बेगपुर)96ःटाइल, अंकित (अटाली) 95ःटाइल, हिमांशु (देवास) 95ःटाइल, ज्योति (राता कलां)92ःटाइल, प्रिंस (बेगपुर)92ःटाइल, निधि (अटाली की ढाणी) 89ःटाइल, मयंक (मुंडिया खेड़ा) 87ःटाइल, कृष्ण (धनौंदा) 87ःटाइल, ने बेहतरीन प्रदर्शन कर विद्यालय और अपने गांव का गौरव बढ़ाया।विद्यालय के चेयरमैन धर्मेंद्र यादव ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है।इस अवसर पर संस्था के उप-चेयरमैन विजय सिंह यादव, निदेशक के.सी यादव, उप-प्राचार्य वीर सिंह यादव सहित समस्त स्टाफगण उपस्थित रहे और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय परिवार में इस सफलता को लेकर हर्ष का माहौल है।

हैप्पी स्कूल में मनाया पृथ्वी संरक्षण दिवस

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पृथ्वी संरक्षण दिवस मनाया गया। विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा पहली के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एक प्रेरणादायक लघु नाटक से हुई, जिसमें उन्होंने अपनी मासूम अभिव्यक्ति के माध्यम से पृथ्वी को बचाने का संदेश दिया। वहीं कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी चित्रकारी के माध्यम से पृथ्वी संरक्षण का संदेश दिया। सीबीएसई, दिल्ली द्वारा प्रेषित शपथ पत्र के अनुरूप सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। विद्यालय संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में हम अनजाने में प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दुरुपयोग कर रहे हैं, जो हमारी पृथ्वी और पर्यावरण के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने और पृथ्वी को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक नागरिक बनने का आह्वान किया।

आरपीएस डिग्री कॉलेज में क्वांटम एंटैंगलमेंट पर वेबिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस डिग्री कॉलेज के भौतिकी विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में क्वांटम एंटैंगलमेंट और सुरक्षित संचार में इसके अनुप्रयोग विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजन किया गया। गौरतलब है कि 2022 में इस विषय पर नोबेल प्राइज मिल चुका है। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ मनीष राव, कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव, कॉलेज निदेशक डॉ. महेश यादव, प्राचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह कादियान, अधिष्ठाता डॉ. हेमंत कुमार एवं भौतिकी विभाग अध्यक्षा डॉ. अर्चना साहू, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जितेंद्र कुमार की उपस्थिति में हुआ। सभी ने दीप प्रज्ज्वलित कर सत्र की शुरुआत की और मुख्य वक्ता का स्वागत किया। आरपीएससीईटी के सेमिनार हॉल में सुबह 9:05 बजे शुरू हुए इस लाइव वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के पोस्टडॉक्टरल रिसर्च एसोसिएट डॉ. विकास कुमार यादव ने शिरकत की।

डॉ. यादव ने क्वांटम एंटैंगलमेंट के वैज्ञानिक पहलुओं को समझाते हुए बताया कि कैसे यह तकनीक भविष्य में डेटा चोरी को रोकने और संचार प्रणालियों को अभेद्य बनाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि क्वांटम तकनीक आने वाले समय में वैश्विक सुरक्षा का आधार बनेगी। सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि आरपीएस ग्रुप सदैव तकनीकी शिक्षा और नवाचार को प्राथमिकता देता है। डॉ. विकास जैसे विशेषज्ञों का अनुभव हमारे छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

महेंद्रगढ़। वेबिनार में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

छात्रों को जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया

नारनौल। पृथ्वी दिवस के अवसर पर दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के बीच पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न रचनात्मक व शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत प्रधानाचार्य अनिल मुखीजा के प्रेरणादायक संबोधन से हुई। उन्होंने पृथ्वी के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, पौधारोपण और प्लास्टिक के उपयोग में कमी जैसे छोटे-छोटे कदम भी पृथ्वी को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों ने स्लोगन लेखन व पोस्टर निर्माण गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने भाषण व कविता पाठ भी प्रस्तुत किए, जिनके माध्यम से उन्होंने पृथ्वी को बचाने का सशक्त संदेश दिया। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार यादव ने कहा कि आने वाले समय में विद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों के ज्ञान, रचनात्मकता व प्रतिभा को निखारना है।

पुस्तकें ही इंसान की सबसे अच्छी मित्र व मार्गदर्शक होती हैं: यादव

विश्व पुस्तक दिवस विशेष: डॉ. धर्मबीर यादव की पुस्तकें बन रही हैं आमजन के लिए प्रेरणा का स्त्रोत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

विश्व पुस्तक दिवस के पावन अवसर पर साहित्य व ज्ञान की महत्ता को रेखांकित किया जा रहा है। इसी कड़ी में डॉ. धर्मवीर यादव की ओर से योग, प्राकृतिक चिकित्सा, स्वास्थ्य व अध्यात्म पर लिखी गई 10 पुस्तकें समाज के लिए अमूल्य धरोहर साबित हो रही हैं। ये पुस्तकें न केवल उच्च शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम का गौरव बढ़ा रही हैं, बल्कि जन-साधारण के लिए भी जीवन परिवर्तन का माध्यम बनी हैं। डॉ. यादव की लेखनी की सबसे बड़ी विशेषता इनकी भाषा शैली है। इन्होंने योग के कठिन व गूढ़ सिद्धांतों को अत्यंत सरल और सहज भाषा में प्रस्तुत किया है। ये पुस्तकें हिंदी व अंग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध हैं, ताकि भाषाई बाधा के बिना ज्ञान का प्रसार हो सके। प्रमुख पुस्तकों की सूचीः योगसार, योगियों का जीवन परिचय, बायोग्राफी ऑफ योगीज, योग ए वे ऑफ लाइफ हिंदी संस्करण, योग ए वे ऑफ लाइफ अंग्रेजी संस्करण, नैचुरोपैथी ए वे ऑफ लाइफ हिंदी संस्करण, नैचुरोपैथी ए वे ऑफ लाइफ अंग्रेजी संस्करण, योगवशिष्ठ सार, गीता योगामृत व शंख प्रक्षालन आदि शामिल है।

डॉ. यादव की प्रेरक पुस्तकें

इस साहित्यिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए डॉ. धर्मवीर यादव ने बताया कि इन पुस्तकों का लेखन केवल व्यक्तिगत प्रयास नहीं, बल्कि उनके गुरुओं व सहयोगियों के आशीर्वाद का प्रतिफल है। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. भंवर सिंह व डॉ. सुधा यादव को अपना प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने योग कोच शंकर झा, सतीश सलूनी, शिवकुमार सैनी व अपने सभी सहयोगी मित्रों व विद्यार्थियों के विशेष योगदान की सराहना की, जिनके सहयोग से यह पुस्तकें आज देश के अनेक स्कूल, कॉलेज व यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रही हैं। आज के दौर में जहां मानसिक तनाव और बीमारियां बढ़ रही हैं, डॉ. यादव की ये पुस्तकें व्यक्ति को अपनी जड़ों से जोड़कर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्राप्त करने की दिशा प्रदान करती हैं। विश्व पुस्तक दिवस पर यह संदेश दिया गया कि अच्छी पुस्तकें ही इंसान की सबसे अच्छी मित्र व मार्गदर्शक होती हैं। डॉ. धर्मवीर यादव वर्तमान में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के योग विभाग में योगाचार्य के रूप में काफी लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मूल रूप से डॉ. धर्मवीर नारनौल के नजदीक सलोनी गांव के निवासी हैं। डॉ. धर्मवीर पुस्तकों के माध्यम के साथ-साथ डिजिटल माध्यम से भी हजारों लाखों युवाओं को निरंतर प्रेरित करते रहते हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विद्यालय में किया पौधरोपण

महेंद्रगढ़। सेहलंग स्थित बीआर आदर्श विद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पृथ्वी संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां जैसे पोस्टर मेकिंग, भाषण, नारे लेखन एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने पृथ्वी बचाओ-भविष्य बचाओ तथा पेड़ लगाओ-पृथ्वी बचाओ जैसे संदेश के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि पृथ्वी हमारा एकमात्र घर है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्राचार्या ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने और दैनिक जीवन में छोटे-छोटे कदम उठाकर पृथ्वी को बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने पृथ्वी को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने की शपथ ली।

खबर संक्षेप

पोस्टर मेकिंग से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रेवाड़ी। विकास इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को पृथ्वी दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों ने स्लोगन लेखन, पोस्टर मेकिंग और कोलाज प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने स्लोगन और चित्रों के से पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ, पौधारोपण और स्वच्छता का संदेश दिया।

दो दिवसीय मां बगलामुखी जन्मोत्सव कार्यक्रम आज से

रेवाड़ी। शहर के मोहल्ला चौधरीवाड़ा स्थित महात्मा शीतलदास सत्संग भवन में होने वाले दो दिवसीय मां पीतांबरा बगलामुखी जन्मोत्सव एवं मां बगलामुखी प्रकटीकरण दिवस समारोह की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सत्संग भवन के महंत दुगार्दास महाराज ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 23 अप्रैल को प्रातः 10:15 बजे गणेश पूजन एवं सुंदरकांड पाठ के साथ होगा।

जेईई मेन्स की परीक्षा में छाए आरपीएस के 36 छात्र

कोसली। आरपीएस स्कूल कोसली के विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। विद्यालय के 36 विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, अभिभावकों एवं क्षेत्र का नाम गर्व से ऊंचा किया है। विद्यालय के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठोर मेहनत, दृढ़ संकल्प और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का प्रतिफल है। निदेशक हंसराज यादव विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

आरपीएस में कृमिनाशक दवा का किया वितरण

कोसली। आरपीएस स्कूल कोसली में छात्रों को कृमिनाशक दवा का वितरण किया गया। पीएचसी कोसली से एमपीएचडब्ल्यू रामबीर व स्टाफ नर्स गायत्री देवी ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की टेबलेट खिलाई। अभियान का उद्देश्य बच्चों को पेट के कीड़ों से होने वाली बीमारियों से बचाना और उनके संपूर्ण शारीरिक विकास को सुनिश्चित करना है। प्राचार्या अंजू यादव ने कहा कि समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और जागरूकता के लिए आवश्यक है।

चिरंजीव बोले, टिकट पर भाजपा से दो कदम आगे कांग्रेस

नामांकन पर ताकत दिखाएगी कांग्रेस पूर्व विधायक के निशाने पर भाजपा

रेवाड़ी व धारूहेड़ा में कांग्रेस ने उतारे महिला प्रत्याशी

नामांकन कराने आएंगे प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

नगर परिषद और धारूहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन पद के प्रत्याशियों की घोषणा में बाजी मार चुकी कांग्रेस 23 अप्रैल को दोनों प्रत्याशियों के नामांकन के समय शहर में ताकत दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भाजपा की प्रत्याशियों के नाम घोषित करने में देरी को भी कांग्रेस ने मुद्दा बनाकर पेश करना शुरू कर दिया है। दोनों निकाय में महिलाओं को प्रत्याशी बनाने के बाद कांग्रेस ने महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा पर निशाना साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। नगर परिषद चेयरमैन का पद एससी महिला के लिए आरक्षित है, जबकि धारूहेड़ा नपा चेयरमैन का पद ओपन कंडिडेट के लिए है। कांग्रेस ने रेवाड़ी के साथ-साथ धारूहेड़ा में भी महिला को ही प्रत्याशी बनाया है।

रेवाड़ी। पत्रकारवार्ता करते हुए पूर्व विधायक चिरंजीव राव।

दोनों निकाय के प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद कांग्रेस में अभी तक 'बगावत' के संकेत देखने को नहीं मिल रहे हैं। खुद प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह नामांकन कराने के लिए वीरवार को आ सकते हैं। इस दौरान पार्टी की ओर से शहर में ताकत दिखाने के लिए भारी भीड़ जुटाने की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया है। धारूहेड़ा से भी भारी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।

दोनों निकाय में महिलाओं को टिकट थमाने के फैसले को कांग्रेस ने संसद में गिरे महिला आरक्षण विधेयक के साथ जोड़ते हुए पार्टी को महिला हितेषी करार देना शुरू कर दिया है। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में पूर्व विधायक चिरंजीव राव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण विधेयक की आड़ में परिसीमन बिल पास कराना चाहती थी। भाजपा निकाय चुनावों में अपने प्रत्याशी तक तय नहीं कर पा रही है, जबकि वह इस मामले में कांग्रेस पर निशाना साधती रहती है।

विकास और भ्रष्टाचार रहेगा मुद्दा

चिरंजीव ने कहा कि नगर परिषद का बीता कार्यकाल भ्रष्टाचार से घिरा रहा है। शहर में विकास की रफ्तार को ब्रेक लगे हुए हैं। निवर्तमान चेयरमैन ने हर फैसला अपने पति से पूछकर लिया। कांग्रेस ने नेहारिका और राज को चुनाव मैदान में उतारा है। यह दोनों प्रत्याशी खुद के निर्णय में सक्षम और योग्य हैं। दोनों लंबे समय से कांग्रेस से जुड़ी रही हैं। स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए दोनों को पति से पूछने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि निकाय चुनावों में भ्रष्टाचार और विकास दोनों कांग्रेस का मुख्य मुद्दा रहेंगे।

कांग्रेस ने इस बार भाजपा से दो कदम आगे निकलते हुए समय पर अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए। दोनों निकाय में महिलाओं को टिकट देकर कांग्रेस ने 100 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। टिकट का निर्णय लेने में पार्टी की गुटबाजी खुलकर सामने आ रही है, जिससे इस बार पार्टी की हार अभी से दिखाई देने लगी है।

सैनिक स्कूल में अलंकरण समारोह कैडेट अभिषेक बने विद्यालय कप्तान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुंड

सैनिक स्कूल में कैडेट प्रतिनिधि नियुक्ति अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चुने गए कैडेट्स को अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक प्राचार्य व वर्तमान में गंगा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स दिल्ली के निदेशक सेवानिवृत्त कर्नल अशोक कौल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर, प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल जय सिंह राठौड़, उप प्राचार्या स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी मौजूद थे। कक्षा बारहवीं के कैडेट अभिषेक को विद्यालय कप्तान नियुक्त किया गया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में कैडेट्स को सम्मानित करते अतिथि।

सैनिक स्कूल में पढ़ना बेहतरीन अवसर : अशोक

मुख्यातिथि कर्नल अशोक कौल ने कैडेट्स को अपने निरंतर प्रयासों से लक्ष्य को प्राप्त करने तथा परिश्रम द्वारा अपने मार्ग में आने वाली बाधाओं को पार कर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल में पढ़ना एक बेहतरीन अवसर है। कैडेट केवल ध्यान केंद्रित करके ही लक्ष्य पर पहुंच सकते हैं। प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने कहा कि कैडेट्स का चयन विद्यालय में इनके समग्र प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है.

रोहिंग्या व बांग्लादेशियों की पहचान लिए ईंट-भट्ठों व संदिग्ध स्थानों पर चला सर्च अभियान

रेवाड़ी। जिला पुलिस ने बुधवार को स्वैत टीम के साथ थाना सदर व रोहड़ाई क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए सर्च अभियान चलाया। अभियान के तहत पुलिस ने ईंट-भट्ठों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर अवैध तरीके से रहने वाले लोगों की जांच की। इस दौरान पुलिस टीम ने बाहरी श्रमिकों की जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र व वाहनों के कागजातों की भी जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है।

पहलगाम हमले के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में बुधवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम आंतकी हमले के एक साल होने पर मृतक पर्यटकों को पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने मृतक पर्यटकों के चित्र पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी और भगवान से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की कामना करते हुए सभी कर्मचारियों के साथ दो मिनट का मौन रखा और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। कुलसचिव ने कहा कि पहलगाम में घटी दुखद घटना हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक है।

रेवाड़ी। कार्यशाला में जानकारी देते हुए वक्ता।

पेपरलेस शिक्षण पर्यावरण स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

अहीर कॉलेज में शिक्षण-अधिगम में डिजिटल टूल्स विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को पेपरलेस शिक्षण, आईसीटी टूल्स एवं पर्यावरण स्थिरता से जोड़ना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा ने किया। इस मौके पर प्राचार्या ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल टूल्स का उपयोग अनिवार्य हो गया है। उन्होंने पेपरलेस शिक्षण को पर्यावरण स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। वेबसाइट समिति की संयोजक डा. मुक्ता अरोड़ा ने कहा कि समिति का लक्ष्य महाविद्यालय में डिजिटल पहल को बढ़ावा देना तथा सभी विभागों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि आईसीटी टूल्स के प्रयोग से शिक्षण रोचक बनता है, बल्कि कागज की बचत कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे ।

लाइसेंसी कॉलोनियों के अतिक्रमण पर चला डीटीपी का बुलडोजर

- प्रशासन द्वारा बीएमजी सिटी व ग्रीन सिटी में की गई अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डीटीपी की ओर से लाइसेंसी कॉलोनियों में सीमा से अधिक जगह पर रैंप, ग्रीन बेल्ट व लॉन बनाकर अतिक्रमण करने वाले लोगों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को खुद अतिक्रमण हटाने की सलाह दी गई थी। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के स्टिल्ट प्लस फोर पॉलिसी पर दिए गए आदेशों के बाद प्रदेश सरकार की ओर से सभी जिलों के डीटीपी को कार्रवाई करने के लिए पत्र जारी किए जा चुके हैं। डीटीपी की टीम ने बुधवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित बीएमजी सीटी व ग्रीन सीटी में ग्रीन बेल्ट में अवैध रूप से बनी दीवार व पार्किंग शेड सहित अन्य कब्जों को हटाने की कार्रवाई की गई। डीटीपी की टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट व पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया।

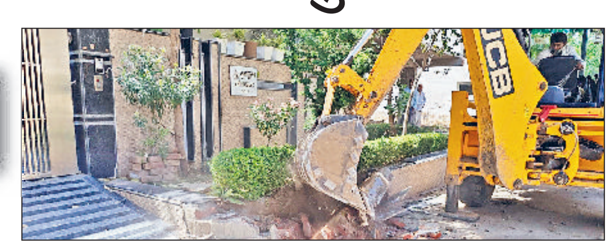

रेवाड़ी। लाइसेंसी कॉलोनियों से अतिक्रमण हटाती जेसीबी।

नुकसान से बचने के लिए सहयोग करें कॉलोनीवासी

डीटीपी मंदीप सिहाग ने लाईसेंसी कॉलोनियों में रहने वाले निवासियों से अनुरोध किया है कि वे अपने रिहायशी मकानों के सामने ग्रीन बेल्ट, सीमा दीवार व पार्किंग शेड हटाने का कार्य करें ताकि उनका विभागीय काईवाई से होने वाले आर्थिक नुकसान से बचाव हो सकें। अवैध ग्रीन बेल्ट, सीमा दीवार व पार्किंग शेड की तोड़फोड़ का कार्य लगातार जारी रहेगा।

छात्रों ने पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखकर मनाया पृथ्वी दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के एमबीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पक्षियों के लिए पानी के सकोरों का प्रबंध किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. रितु बजाज ने कहा कि विद्यार्थियों का यह कदम अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों को पानी की विशेष आवश्यकता होती है और विद्यार्थियों की ओर से किया गया यह प्रयास समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है। कार्यक्रम के समन्वयक डा. सुशांत यादव ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रत्येक सकोरे को एक विशिष्ट संख्या दी गई है तथा उनमें नियमित रूप से पानी भरने के लिए विद्यार्थियों को 3-4 के समूहों में विभाजित कर जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभियान के तहत विद्यार्थियों ने 20 से अधिक सकोरों का प्रबंध किया और सकोरों की नियमित देखभाल करने की शपथ भी ली। वाणिज्य व प्रबंधन संकाय की डीन प्रो. अदिति शर्मा ने भी एमबीए विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना की।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण पर मनमोहक कविताओं का किया पाठ

रेवाड़ी। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित मनमोहक कविताओं का पाठ किया। बच्चों की कविताओं में धरती मां के प्रति चिंता और उसे बचाने का संकल्प झलक रहा था। छात्रों ने वेस्ट मटेरियल से उपयोगी वस्तुएं बनाकर बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट का संदेश दिया और रंग-बिरंगी पेंटिंग्स के माध्यम से हरी-भरी धरती, स्वच्छ धरती का सपना कैनवास पर उकेरा।

पूर्व मंत्री की गाड़ी चोरी मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए कोसली ने गत 28 मार्च की रात पूर्व मंत्री जसवंत सिंह की स्कॉर्पियो चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान जिला जोधपुर के गांव बुरचा हाल आबाद राजीव गांधी कॉलोनी जोधपुर निवासी हिम्मत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत 29 मार्च को सेक्टर-3 निवासी पूर्व मंत्री जसवंत सिंह ने अपनी शिकायत में बताया था कि 28 मार्च की रात को उन्होंने अपनी काले रंग की स्कॉर्पियो को अपने घर के सामने पार्क किया था। 29 मार्च की सुबह गाड़ी वहां से गायब थी। तस्करी के लिए अपने बेटे हिम्मत के साथ मिलकर मात्र 6 लाख रुपये में खरीदी थी।

सेक्टर-4 से बाइक चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सेक्टर-4 में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी करने के मामले में मॉडल टाउन थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद कर ली गई है। पुलिस शिकायत में संघी का बास निवासी चिराग ने बताया कि उसका भाई सेक्टर-4 निवासी रमेश के पास ड्राइवरी का कार्य करता है। वह 20 अप्रैल को घर से बाइक लेकर रमेश के पास सेक्टर में गया था। बाइक उसके घर के बाहर खड़ी करने के बाद वह रमेश के साथ गुरूग्राम चला गया। पीछे से रमेश के लड़के ने उसे फोन पर बताया कि बाइक चोरी हो गई है। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। पुलिस ने नूंह जिले के शाहरुख खान को गिरफ्तार कर लिया। बाइक बरामद होने के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

युवक ने शराब के नशे में फांसी लगाकर जान दी

कुंड। गवारिया बस्ती में मंगलवार की रात करीब 23 वर्षीय युवक ने शराब के नशे में चुनरी से फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। गवारिया बस्ती निवासी पंकज शराब पीने का आदि था। रात को भी उसने शराब का सेवन किया हुआ था। इसके बाद उसने चुनरी से फंदा लगा लिया। पता चलते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर एक प्राइवेट अस्पताल ले गए, जहां से उसे रेवाड़ी के लिए रेफर कर दिया गया। परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस बयान में उसकी मां सीता देवी ने बताया कि उसका बेटा अविवाहित था। वह शराब पीने का आदि था। शराब के नशे में ही उसने फांसी लगाने का कदम उठाया है।

चोरी की बाइक बेचने का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने चोरी की बाइक बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। गत वर्ष 13 मार्च को राइडर पर तैनात सिपाही अर्जुन व एसपीओ चन्द्रपाल ने धारूहेड़ा के सेक्टर 4-6 कट सोहना रोड पर सदिग्ध हालात में एक बाइक को रुकवा कर चेक किया, तो बाइक चोरी की पाई गई। चालक ने अपना नाम संदीप निवासी गांव दुधी जिला झुंझुनू राजस्थान बतलाया बताया। जांच में पाया गया कि यह बाइक के सम्बन्ध में थाना सेंट्रल फरीदाबाद में चोरी का मामला दर्ज है। पुलिस ने बाइक कब्जे में लेकर आरोपी संदीप के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर संदीप को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ के दौरान उसने बताया था कि राजस्थान के जिला डिंग के गांव अगरावली निवासी भवली उर्फ बबली से उसने यह बाइक 15 हजार रुपए में खरीदी थी।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

बावल। जयपुर रेल मार्ग पर बुधवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से करीब 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। काफी प्रयास करने के बाद भी मृतक की शिनाख्त नहीं हुई। बाद में शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया। जीआरपी को सूचना मिली थी कि बावल रेलसे स्टेशन से कुछ दूरी पर रुद्ध पुल के निकट एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया है। सूचना मिलने के बाद जीआरपी ने मौके पर जाकर शव कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। आसपास के गांवों में सूचना देकर जीआरपी ने शव की पहचान कराने के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। बाद में शव को अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

एपीके फाइल से ठगी का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने एपीके फाइल भेजकर एक व्यक्ति को साढ़े 15 लाख रुपये की साइबर ठगी का शिकार बनाने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मालपुरा निवासी देवेंद्र सिंह ने पुलिस शिकायत में बताया था कि गत वर्ष 1 नवंबर को उसके के व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल मिली थी। फाइल पर क्लिक करने के बाद उसका मोबाइल फोन हैंग हो गया। 5 नवंबर को उसने अपना मोबाइल फोन रिसेट करने के बाद बैंक जाकर पूछताछ की तो 1 नवंबर से 5 नवंबर तक उसके बैंक खाते से 11 ट्रांजेक्शन के जरिए साढ़े 15 लाख रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर कर लिए गए। प

बाल भवन में नीट व जेईई के लिए वर्चुअल क्लास का शुभारंभ

जीवन में उत्थान के लिए शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्णः डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बावल

उपायुक्त अभिषेक मीणा ने कहा कि जीवन के उत्थान में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका शिक्षा की होती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही युवा अपने सपनों को साकार कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बुधवार को बाल भवन बावल में नीट व जेईई की तैयारी के लिए शुरू की गई वर्चुअल क्लास का शुभारंभ किया। जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव ने डीसी का स्वागत किया। डीसी मीणा ने कहा कि आधुनिक समय में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है, ऐसे में विद्यार्थियों के लिए बेहतर मार्गदर्शन और संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। वर्चुअल क्लास के माध्यम से जिला के विद्यार्थी नाममात्र शुल्क में प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं नीट व जेईई की तैयारी कर सकेंगे, जिससे उनके लिए अवसरों के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बल पर जीवन में कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। उच्च शिक्षा से जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है। युवाओं को ज्यादा से ज्यादा शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद डीसी और अन्य अतिथिगण।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

डीसी ने हॉलिस्टर मेडिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन द्वारा सीएसआर फंड के माध्यम से वर्चुअल क्लास तैयार करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कंपनी के प्लांट ऑपरेशन डायरेक्टर संदीप चौपड़ा, एचआर हेड विक्रम सहित पूरी प्रबंधन टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल समाज के प्रति जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर डीसी ने बाल भवन परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण परिषद के अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित थे।